



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 95]	नई दिल्ली, बुध्दस्वतिवार, जुलाई 29, 1965/श्रावण 7, 1887
[No. 95]	NEW DELHI, THURSDAY, JULY 29, 1965/SRAVANA 7, 1887

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

LOK SABHA

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th July 1965

No. 96/1/C/65.—The following paragraph published in the Lok Sabha Bulletin—Part II, dated the 27th July, 1965, is hereby published for general information:

—No. 1357.

Amendments to the Rules of Library Committee

In pursuance of rule 389 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha (Fifth Edition), the Speaker has made the following amendments to the Rules of Library Committee:—

Rule 1

For the existing sub-rules (1), (2) and (4), the following shall be substituted, respectively:—

“**Constitution of Library Committee.**—(1) There shall be a Library Committee consisting of—

- (a) the Deputy Speaker and five other members from the Lok Sabha nominated by the Speaker;
- (b) three members from the Rajya Sabha nominated by the Chairman of the Rajya Sabha.

(2) The Committee shall hold office for a term not exceeding one year.

(4) Casual vacancies in the Committee shall be filled by nomination by the Speaker in respect of members from the Lok Sabha and by the Chairman of the Rajya Sabha in respect of members from the Rajya Sabha."

Rule 4

For the existing rule 4, the following shall be substituted:—

"4. Discharge of members absent from sittings of Committee.—The Speaker of the Lok Sabha or the Chairman of the Rajya Sabha, as the case may be, may discharge a member from the Committee, if such member is absent from two or more consecutive sittings thereof without the permission of the Chairman of the Committee."

S. L. SHAKDHER, Secy.

लोक-सभा

अधिवृत्तना

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1965

संख्या 96/1/सी/65—निम्नलिखित कड़िका, जो 27 जुलाई, 1965 के लोक-सभा समाचार-भाग 2 में प्रकाशित हुई थी, सर्व साधारण की जानकारी के लिए एनद्रा प्रकाशित की जाती है :

"संख्या 1357

पुस्तकालय समिति के नियमों में संशोधन

लोक-सभा के प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन सम्बन्धी नियमों (पाँचवाँ संस्करण) के नियम 389 के अनुसरण में, अध्यक्ष ने पुस्तकालय समिति के नियमों में निम्नलिखित संशोधन किये हैं :—

नियम 1

वर्तमान उप-नियम (1), (2) और (4) के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित रखे जायेंगे :—

"पुस्तकालय (1) एक पुस्तकालय समिति होगी जिसमें—

समिति का गठन (क) उपाध्यक्ष और अध्यक्ष द्वारा नामनिर्दिष्ट, लोक-सभा के पाँच अन्य सदस्य ;

(ख) राज्य-सभा के सभापति द्वारा नामनिर्दिष्ट राज्य-सभा के तीन सदस्य ;

होंगे ।

(2) समिति एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए, पद धारण करेगी ।

(4) समिति में आकस्मिक रिक्तताओं की पूर्ति लोक-सभा के सदस्यों के सम्बन्ध में अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशन से और राज्य-सभा के सदस्यों के सम्बन्ध में राज्य-सभा के सभापति द्वारा नाम निर्देशन से की जायेगी ।"

नियम 4

वर्तमान नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा :—

“समिति की बैठकों से अनुपस्थित सदस्यों को हटाना 4. यदि कोई सदस्य समिति की लगातार दो या अधिक बैठकों से समिति के सभापति की अनुज्ञा के बिना अनुपस्थित रहे तो ऐसे सदस्य को यथास्थिति, लोक-सभा का अध्यक्ष अथवा राज्य-सभा का सभापति, समिति से हटा सकेगा।”

श्यामलाल शकधर, सचिव ।

